Shreemad Bhagawad Geeta: श्रीमद् - भगवद् - गीता

अथ ज्ञानविज्ञानयोगो नाम सप्तमोऽध्यायः॥

श्री भगवान् उवाच।

मयि आसक्तमनाः पार्थ योगम् युञ्जन् मदाश्रयः ।

असंशयम् समग्रम् माम् यथा ज्ञास्यसि तत् शृणु ॥ ७ - १ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान्	Shree Bhagavaan	The Blessed Lord	भगवान् श्रीकृष्ण ने	श्री भगवान
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाले
मयि	Mayi	in Me	मुझ में	माझ्या ठिकाणी
आसक्तमनाः	Aasakta-ManaaH	with mind attached	अनन्य प्रेम से आसक्तिचित्त	(अनन्य प्रेमाने) मन अर्पण / आसक्त करून
पार्थ	Paartha	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
योगम्	Yogam	Yoga	योग में	योगामध्ये
युञ्जन्	Yunjan	practicing	लगे हुए तुम	युक्त (एकाग्र) होऊन
मदाश्रयः	Mad-AashrayaH	taking refuge in Me	मेरे परायण होकर	माझा आश्रय घेऊन
असंशयम्	AsaMshayam	without doubt	संशयरहित	संशयरहित (होऊन)
समग्रम्	Samagram	fully / wholly	सम्पूर्ण विभूति गुणों से युक्त सब के आत्मरूप	सम्पूर्ण
माम्	Maam	Me	मुझ को	मला
यथा	Yathaa	just as	जिस प्रकार से	ज्याप्रकारे
ज्ञास्यसि	Dnyaasyasi	you shall know	जानोगे	तू जाणशील
तत्	Tat	that	उसको	ती (गोष्ट)
शृणु	ShruNu	do listen	तुम सुनो	तू ऐक

अन्वय :- श्री भगवान् उवाच - हे पार्थ ! मयि आसक्तमनाः मदाश्रयः (त्वम्) योगम् युञ्जन् , माम् समग्रम् यथा असंशयम् ज्ञास्यसि , तत् शृणु ॥ ७ - १ ॥

English translation: -

The Blessed Lord said, "O Arjuna! With the mind attached to Me, practising Yoga, taking refuge in Me, how you shall know Me fully without any doubt, that you do listen".

हिन्दी अनुवाद :-

भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा , " हे अर्जुन ! अनन्य प्रेम से , मुझ में आसक्त मनवाले , मेरे आश्रित होकर , अनन्य प्रेमभाव से योग में लगे हुए तुम , जिस प्रकार से सम्पूर्णरूप से विभूति बल ऐश्वर्यादि गुणों से युक्त सब के आत्मरूप मुझ को , संशयरहित कैसे जान सकोगे ; उसको अब तुम सुनो ।

मराठी भाषान्तर :-

श्री भगवान् म्हणाले , " हे अर्जुना ! माझ्या ठिकाणी मन लावून आणि माझाच आश्रय घेऊन योगाभ्यास करीत असता तू मला निःसंशय व संपूर्ण कसे जाणशील ते ज्ञान तू आता ऐक ."

विनोबांची गीताई :-

प्रीतीनें आसरा माझा घेउनी योग साधित ।
ज्ञाणशील कसें ऐक समग्र मज निश्चित ॥ ७ - १ ॥

ज्ञानम् ते अहम् सविज्ञानम् इदम् वक्ष्यामि अशेषतः ।

यत् ज्ञात्वा न इह भूयः अन्यत् ज्ञातव्यम् अवशिष्यते ॥ ७ - २ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
ज्ञानम्	Dnyaanam	knowledge	तत्त्वज्ञान को	तत्त्वज्ञान
ते	Te	to you	तुम्हारे लिये	तुझ्यासाठी
अहम्	Aham	I	मैं	मी
सविज्ञानम्	Sa-Vidnyaanam	with wisdom	विज्ञानसहित	विज्ञानासहित
इदम्	Idam	this	इस	हे
वक्ष्यामि	Vakshyaami	(I) will declare	कहूँगा	सांगेन
अशेषतः	A-SheShataH	in full	सम्पूर्णतया	संपूर्णपणे
यत्	Yat	which	जिसको	जे
ज्ञात्वा	Dnyaatvaa	having known	जानकर	जाणल्यावर
न	Na	not	नहीं	नाही
इह	Iha	here	इस संसार में	या संसारात
भूयः	BhuuyaH	more	फिर	पुन्हा
अन्यत्	Anyat	anything else / other thing	और कुछ भी	दुसरे काही
ज्ञातव्यम्	Dnyaatavyam	to be known	जाननेयोग्य	जाणावयाचे
अवशिष्यते	Avashishyate	remains	बाकी रह जाता	शिल्लक राहाते

अन्वय :- अहम् इदम् सविज्ञानम् ज्ञानम् ते अशेषतः वक्ष्यामि ; यत् ज्ञात्वा इह भूयः अन्यत् ज्ञातव्यम् न अवशिष्यते ॥ ७ - २ ॥

English translation:-

I shall teach you in full, this knowledge together with wisdom, which having known, nothing more here remains to be known.

हिन्दी अनुवाद :-

मैं तुम्हें , ब्रह्म अनुभूति याने विज्ञान सहित ब्रह्मविद्या का ज्ञान प्रदान करुँगा ; जिसे जानकर , इस संसार में , फिर और कुछ भी जानना शेष , नहीं रह जाता है ।

मराठी भाषान्तर :-

मी तुला विज्ञानासहित ज्ञान संपूर्णपणे सांगेन , ते जाणल्यावर या लोकी म्हणजेच या पृथ्वीतलावर आणखी जाणण्याजोगे दुसरे काहीही शिल्लक राहात नाही .

विनोबांची गीताई :-

विज्ञानासह तें ज्ञान संपूर्ण तुज सांगतों ।

ज्ञें जाणूनि येथें ज्ञाणावेंसें न राहतें ॥ ७ - २ ॥

मनुष्याणाम् सहस्रेषु कश्चित् यतति सिद्धये ।

यतताम् अपि सिद्धानाम् कश्चित् माम् वेत्ति तत्त्वतः ॥ ७ - ३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
मनुष्याणाम्	ManuShyaaNaam	of men	मनुष्यों में	माणसांमध्ये
सहस्रेषु	SahasreShu	among thousands	हजारों	हजारो
कश्चित्	Kashchit	someone	कोई एक मनुष्य	कुणीतरी एखादाच
यतति	Yatati	strives	प्रयत्न करता है	प्रयत्न करतो
सिद्धये	Siddhaye	for perfection	मेरी प्राप्ति के लिये	माझ्या प्राप्तीसाठी
यतताम्	Yatataam	of those who strive	(और) उन प्रयत्न करनेवाले	(आणि त्या) प्रयत्न करणाऱ्या
अपि	Api	also	भी	ही
सिद्धानाम्	Siddhaanaam	of the successful ones	योगियों में	सिद्ध-पुरुषांमध्ये
कश्चित्	Kashchit	someone	कोई एक (योगी मेरे परायण होकर)	कोणीतरी एखादाच (मत्परायण होऊन)
माम्	Maam	Me	मुझ को	मला
वेत्ति	Vetti	knows	जानता है	जाणतो
तत्त्वतः	TatvataH	in essence	तत्त्व से अर्थात् यथार्थरूप से	यथार्थपणे

अन्वय :-

मनुष्याणाम् सहस्रेषु कश्चित् सिद्धये यतति ; यतताम् सिद्धानाम् अपि कश्चित् माम् तत्त्वतः वेत्ति ॥ ७ - ३ ॥

English translation:-

Among thousands of men, scarcely one strives for perfection, and of those who strive and succeed, scarcely one knows Me in essence.

हिन्दी अनुवाद :-

हजारों मनुष्यों में , कोई एक मनुष्य मेरी प्राप्ति के लिये , प्रयत्न करता है ; और उन प्रयत्न करनेवाले योगियों में भी , कोई एक योगी , मेरे परायण होकर , मुझ को तत्त्व से अर्थात् यथार्थरूप से जानता है ।

मराठी भाषान्तर :-

हजारो माणसातील कोणी एखादाच सिद्धी मिळविण्यासाठी प्रयत्न करतो आणि प्रयत्न करणाऱ्या सिद्ध पुरुषांपैकी , कोणी एखादाच मला यथार्थपणे जाणतो .

विनोबांची गीताई :-

लक्षावधींत एखादा मोक्षार्थ झटतो कधीं ।

झटणाऱ्यांत एखादा तत्त्वतां जाणतो मज ॥ ७ - ३ ॥

भूमिः आपः अनलः वायुः खम् मनः बुद्धिः एव च ।

अहङ्कारः इति इयम् मे भिन्ना प्रकृतिः अष्टधा ॥ ७ - ४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
भूमिः	BhuumiH	earth	पृथ्वी	पृथ्वी
आपः	AapaH	water	जल	पाणी
अनलः	AnalaH	fire	अग्नि	अग्नी
वायुः	VaayuH	air	वायु	वारा
खम्	Kham	space	आकाश	आकाश
मनः	ManaH	mind	मन	मन
बुद्धिः	BuddhiH	intellect	बुद्धि	बुद्धी
एव	Eva	Even	भी	सुद्धा
च	Cha	and	और	आणि
अहङ्कारः	AhankaaraH	ego	अहङ्कार	अहंकार
इति	Iti	thus	इस प्रकार	याप्रकारे
इयम्	Iyam	this	यह	ही
मे	Me	My	मेरी	माझी
भिन्ना	Bhinnaa	divided	विभाजित	विभागलेली
प्रकृतिः	PrakrutiH	nature	प्रकृति (है)	प्रकृती (आहे)
अष्टधा	AShTadhaa	eightfold / of eight types	आठ प्रकार से	आठ प्रकारांची

अन्वय :-

भूमिः , आपः , अनलः , वायुः , खम् , मनः , बुद्धिः एव च अहङ्कारः इति अष्टधा भिन्नाः मे इयम् प्रकृतिः ॥ ७ - ४ ॥

English translation: -

Earth, water, fire, air, space, mind, intellect and also ego – thus is My nature of eight different types.

हिन्दी अनुवाद :- पृथ्वी , जल , अग्नि , वायु , आकाश , मन , बुद्धि और अहङ्कार भी ; इस प्रकार , यह आठ प्रकार से विभाजित , मेरी प्रकृति है ।

मराठी भाषान्तर :-

पृथ्वी , जल , अग्नी , वायू , आकाश ही पाच महाभूते आणि मन , बुद्धी व अहंकार मिळून माझी प्रकृती आठ प्रकारांनी विभागलेली आहे .

विनोबांची गीताई :-

पृथ्वी आप तसें तेज वायु आकाश पांचवें ।
मन बुद्धि अहंकार अशी प्रकृति अष्ट - धा ॥ ७ - ४ ॥

अपरा इयम् इतः तु अन्याम् प्रकृतिम् विद्धि मे पराम् ।

जीवभूताम् महाबाहो यया इदम् धार्यते जगत् ॥ ७ - ५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अपरा	Aparaa	lower	अपरा अर्थात् मेरी जड़ प्रकृति है	(माझी) जड प्रकृती (आहे)
इयम्	Iyam	this	यह आठ प्रकार के भेदोंवाली	(आठ प्रकारचे भेद असणारी) ही (तर)
इतः	ItaH	from this	इससे	हिच्यापेक्षा
तु	Tu	but	परन्तु	परन्तु
अन्याम्	Anyaam	different	दूसरी को	भिन्न स्वरूपाची
प्रकृतिम्	Prakrutim	nature	प्रकृति	प्रकृती (आहे)
विद्धि	Viddhi	know	तुम जान लो	(असे तू) जाण
मे	Me	My	मेरी	माझी
पराम्	Paraam	higher	परा अर्थात् चेतन	(आणि ती) चेतन
जीवभूताम्	Jeeva-Bhuutaam	the very element of life	जीवरूपा	जीवरूप
महाबाहो	Mahaa-Baaho	O mighty armed	हे अर्जुन !	हे पराक्रमी अर्जुना !
यया	Yayaa	by which	जिससे	जिच्यामुळे
इदम्	Idam	this	यह	हे
धार्यते	Dhaaryate	is supported / upheld	धारण किया जाता है	धारण केले जाते
जगत्	Jagat	universe	सम्पूर्ण जगत्	(संपूर्ण जग) विश्व

अन्वय :-

हे महाबाहो ! इयम् अपरा (प्रकृतिः अस्ति) इतः तु अन्याम् जीवभूताम् मे पराम् प्रकृतिम् विद्धि, यया इदम् जगत् धार्यते ॥ ७-५ ॥

English translation: -

This is the lower one. But different from it, O mighty armed, know My higher nature, the very life element by which this universe is supported.

हिन्दी अनुवाद :-

यह आठ प्रकार के भेदोंवाली तो मेरी अपरा अर्थात् जड़ प्रकृति है। परन्तु, हे अर्जुन ! इससे दूसरी को, जिससे यह सम्पूर्ण जगत् धारण किया जाता है, वह मेरी जीवरूपा परा अर्थात् चेतन-पुरुष प्रकृति तुम जान लो।

मराठी भाषान्तर :-

हे महापराक्रमी अर्जुना ! ही माझी अपरा म्हणजेच जड प्रकृती होय. याशिवाय जिच्या योगाने या जगताचे धारण-पोषण होते, अशी परा म्हणजेच जीवस्वरूपी श्रेष्ठ प्रतीची माझी दुसरी प्रकृती आहे ; असे तू समज.

विनोबांची गीताई :-

ही झाली अपरा माझी दुसरी जाण ती परा।
जीव रूपें जिनें सारें जग हें धरिलें असे ॥ ७-५ ॥

एतत् योनीनि भूतानि सर्वाणि इति उपधारय ।

अहम् कृत्स्नस्य जगतः प्रभवः प्रलयः तथा ॥ ७ - ६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
एतत्	Etat	this	इन	या
योनीनि	Yoneeni	the womb of	दोनों प्रकृतियों से ही उत्पन्न होनेवाले हैं	योनी (दोन प्रकारच्या प्रकृतीपासून उत्पन्न होतात)
भूतानि	Bhuutaani	beings	भूत	भूते
सर्वाणि	SarvaaNee	of all	सम्पूर्ण	सर्व
इति	Iti	thus	ऐसा	असे
उपधारय	Upadhaaraya	know	समझ लो कि	तू जाण
अहम्	Aham	I	(और) मैं (इन दोनों का मूल कारण हूँ)	मी (यांचा कर्ता करविता म्हणजे सर्व जगाचे मूळ कारण आहे)
कृत्स्नस्य	Krutsnam	of the whole	सम्पूर्ण	संपूर्ण
जगतः	JagataH	of the world	जगत् की	जगाची
प्रभवः	PrabhavaH	origin	उत्पत्ति	उत्पत्ती
प्रलयः	PralayaH	dissolution	विनाश	प्रलय / विनाश / लय /
तथा	Tathaa	also	तथा	आणि

अन्वय :-

सर्वाणि भूतानि एतत् योनीनि इति , उपधारय । अहम् कृत्स्नस्य जगतः प्रभवः तथा प्रलयः (अस्मि) ॥ ७ - ६ ॥

English translation: -

Know this is to be the womb of all beings. I am the origin and dissolution of the whole universe.

हिन्दी अनुवाद :-

ऐसा समझ लो कि , सम्पूर्ण भूत , इन (परा / जड / अचेतन और अपरा / सूक्ष्म / चेतन) दोनों प्रकृतियों (के संयोगसे) से ही , उत्पन्न होनेवाले हैं ; और मैं , सम्पूर्ण जगत् की उत्पत्ति तथा विनाश इन दोनों का , मूल कारण हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! सर्व प्राणिमात्र या (अचेतन आणि चेतन) दोन प्रकृतीपासूनच (संयोगातून) उत्पन्न होतात आणि मीच या संपूर्ण जगताच्या उत्पत्ती व लयाचे एकमेव कारण आहे ते तू जाण .

विनोबांची गीताई :-

ह्या दोन्हींपासुनी भूतें सगळीं ज्ञाण निर्मिलीं ।

साऱ्या जगास तद् - द्वारा मूळ मी आणि शेंवट ॥ ७ - ६ ॥

मत्तः परतरम् न अन्यत् किञ्चित् अस्ति धनंजय ।

मयि सर्वम् इदम् प्रोतम् सूत्रे मणिगणाः इव ॥ ७ - ७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
मत्तः	MattaH	than Me	मुझ से	माझ्यापेक्षा
परतरम्	Parataram	higher	परम कारण	अधिक श्रेष्ठ
न	Na	not	नहीं	नाही
अन्यत्	Anyat	other	भिन्न दूसरा	दुसरे
किञ्चित्	Kinchit	anyone	कोई भी	कोणतेही
अस्ति	Asti	is	है	आहे
धनंजय	Dhananjaya	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
मयि	Mayi	in Me	मुझ में	माझ्यामध्ये
सर्वम्	Sarvam	all	सम्पूर्ण जगत्	संपूर्ण (जग)
इदम्	Idam	this	यह	हे
प्रोतम्	Protam	is strung	गुँथा हुआ है	ओवलेले
सूत्रे	Suutre	on a string	सूत्र में	दोऱ्यातील
मणिगणाः	MaNigaNaaH	clusters of gems	सूत्रके मणियों के	मण्यां
इव	Eva	like	समान	प्रमाणे

अन्वय :- हे धनंजय ! मत्तः परतरम् अन्यत् किञ्चित् न अस्ति । सूत्रे मणिगणाः इव इदम् सर्वम् मयि प्रोतम् ॥ ७ - ७ ॥

English translation: - There is nothing whatsoever higher than Me, O Arjuna. All this is strung in Me as rows of gems on a string.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! मुझ से भिन्न दूसरा कोई भी परम कारण नहीं है । यह सम्पूर्ण जगत् , मुझ परब्रह्म - परमात्मारूपी सूत में , हार की मणियों की तरह , पिरोया हुआ है ।

मराठी भाषान्तर :-

हे धनंजया ! माझ्याहून अधिक श्रेष्ठ दुसरे असे काहीही नाही . दोऱ्यांत ओवलेल्या मण्यांप्रमाणे माझ्या ठायी , हे सर्व जग ओवलेले आहे .

विनोबांची गीताई :-

दुसरें तत्त्व नाहीं चि कांहीं माझ्या पलीकडे ।
ओविंलें सर्व माझ्यांत ज़से धाग्यांमधें मणि ॥ ७ - ७ ॥

रसः अहम् अप्सु कौन्तेय प्रभा अस्मि शशिसूर्ययोः ।

प्रणवः सर्व वेदेषु शब्दः खे पौरुषम् नृषु ॥ ७ - ८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
रसः	RasaH	sapidity	रस हूँ	रस आहे
अहम्	Aham	I (am)	मैं	मी
अप्सु	Apsu	In water	जल में	पाण्यामध्ये
कौन्तेय	Kaunteya	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
प्रभा	Prabhaa	radiance / light	प्रकाश	प्रकाश
अस्मि	Asmi	(I) am	हूँ	आहे
शशिसूर्ययोः	Shashi-SuuryayoH	in the moon and the Sun	चन्द्रमा और सूर्य में	चंद्र व सूर्य यांच्यामधील
प्रणवः	PraNavaH	the syllable Om	ओंकार हूँ	ॐकार आहे
सर्व	Sarva	all	सम्पूर्ण	सर्व
वेदेषु	VadeShu	in the Vedas	वेदों में	वेदांमधील
शब्दः	ShabdaH	sound	ध्वनि	ध्वनी
खे	Khe	in space	तथा आकाश में	आकाशात
पौरुषम्	Paurusham	manhood	पुरुषत्व हूँ	पुरुषत्व मी आहे
नृषु	NruShu	In men	पुरुषों में	पुरुषांमध्ये

अन्वय :-

हे कौन्तेय ! अहम् अप्सु रसः , शशिसूर्ययोः प्रभा अस्मि , सर्व वेदेषु प्रणवः , खे शब्दः , नृषु पौरुषम् (च अस्मि) ॥ ७ - ८ ॥

English translation: -

O Arjuna! I am the sapidity in water, radiance in the moon and the sun. I am the mono-syllable Om in the Vedas, sound in space and manhood in men.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! मैं जल में रस हूँ , चन्द्रमा और सूर्य में प्रकाश हूँ , सम्पूर्ण वेदों में ओंकार हूँ तथा आकाश में ध्वनि और पुरुषों में पुरुषत्व हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे कुंतीपुत्रा अर्जुना ! मी जलातील रस आहे . तसेच चंद्रसूर्यातील प्रभा , सर्व वेदांमधील प्रणव म्हणजे ॐकार , आकाशातील ध्वनि आणि पुरुषामधील पराक्रम मीच आहे .

विनोबांची गीताई :-

पाण्यांत रस मी झालों चंद्र सूर्यीं प्रकाश मी ।

ॐ वेदीं शब्द आकाशीं पुरुषीं पुरुषार्थ मी ॥ ७ - ८ ॥

पुण्यः गन्धः पृथिव्याम् च तेजः च अस्मि विभावसौ ।

जीवनम् सर्व भूतेषु तपः च अस्मि तपस्विषु ॥ ७ - ९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
पुण्यः	PuNyaH	sweet	पवित्र	पवित्र
गन्धः	GandhaH	fragrance	गन्ध	गंध
पृथिव्याम्	Pruthivyaam	in the earth	पृथ्वी में	पृथ्वीमधील
च	Cha	and	और	आणि
तेजः	TejaH	brilliance	तेज	तेज
च	Cha	and	और	आणि
अस्मि	Asmi	(I) am	हूँ	मी आहे
विभावसौ	Vibhaavasau	In fire	अग्नि में	अग्नीमधील
जीवनम्	Jeevanam	life	उनका जीवन हूँ	(तसेच त्यांचे) जीवन (मीच आहे)
सर्व	Sarva	in all	तथा सम्पूर्ण	सर्व
भूतेषु	BhuuteShu	beings	भूतों में	प्राणिमात्रांमधील
तपः	TapaH	austerity	तप	मी तप
च	Cha	and	और	आणि
अस्मि	Asmi	(I) am	हूँ	आहे
तपस्विषु	TapasviShu	in ascetics	तपस्वियों में	तपस्व्यांच्यामधील

अन्वय :-

च पृथिव्याम् पुण्यः गन्धः , विभावसौ च तेजः अस्मि ; सर्व - भूतेषु जीवनम् , तपस्विषु च तपः अस्मि ॥ ७ - ९ ॥

English translation: -

I am the sweet fragrance in the earth. I am the brilliance in the fire. I am the life of all beings and I am the austerity in ascetics.

हिन्दी अनुवाद :-

पृथ्वी में पवित्र गन्ध और अग्नि में तेज हूँ , सम्पूर्ण भूतों में उनकी चेतना अर्थात् जीवन - शक्ति मैं हूँ और तपस्वियों में तप हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

(आणि) पृथ्वीच्या ठिकाणी असलेला पवित्र सुगंध तसेच अग्नीमधील तेज , सर्व प्राणिमात्रांमधील (चेतना म्हणजेच) जीवन शक्ती आणि तपस्वांमधील तप मीच आहे .

विनोबांची गीताई :-

मी पुण्य - गंध पृथ्वींत असें अग्नींत उष्णता ।

प्राणि - मात्रांत आयुष्य तपो - वृद्धांत मी तप ॥ ७ - ९ ॥

बीजम् माम् सर्वभूतानाम् विद्धि पार्थ सनातनम् ।

बुद्धिः बुद्धिमताम् अस्मि तेजः तेजस्विनाम् अहम् ॥ ७ - १० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
बीजम्	Beejam	seed	बीज	बीज
माम्	Maam	Me	मुझ को ही	मला
सर्वभूतानाम्	Sarva-Bhuutaanaam	of all beings	सम्पूर्ण भूतों का	सर्व प्राणिमात्रांचे
विद्धि	Viddhi	know	तुम जान लो	(असे) तू जाण
पार्थ	Paartha	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
सनातनम्	Sanaatanam	eternal	सनातन	सनातन
बुद्धिः	BuddhiH	intelligence	बुद्धि	बुद्धी
बुद्धिमताम्	Buddhimataam	of the intelligent	बुद्धिमानों की	बुद्धिमंतांची
अस्मि	Asmi	(I) am	हूँ	आहे
तेजः	TejaH	splendour	तेज	तेज
तेजस्विनाम्	Tejasvinaam	of the splendid	और तेजस्वियों का	तेजस्व्यांचे
अहम्	Aham	I (am)	मैं	मी

अन्वय :-

हे पार्थ ! माम् सर्वभूतानाम् सनातनम् बीजम् विद्धि , अहम् बुद्धिमताम् बुद्धिः अस्मि , तेजस्विनाम् तेजः (अहम् अस्मि) ॥ ७ - १० ॥

English translation: -

O Arjuna! Recognise Me as the eternal seed of all beings. I am the intelligence of the intelligent. I am the splendour of the splendid.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! सम्पूर्ण भूतों का सनातन बीज मुझ को ही , तुम जान लो । मैं बुद्धिमानों की बुद्धि हूँ और तेजस्वियों का तेज हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! सर्व प्राणिमात्रांचे सनातन बीज मी आहे असे तू समज . बुद्धिमान लोकांची बुद्धी म्हणजे विवेकशक्ती व तेजस्व्यांचे तेज म्हणजे प्रगल्भता मी आहे .

विनोबांची गीताई :-

सर्व भूतांत जें बीज तें मी जाण सनातन ।
बुद्धिमंतांत मी बुद्धि तेजस्वांत हि तेज मी ॥ ७ - १० ॥

बलम् बलवताम् अस्मि कामरागविवर्जितम् ।

धर्माविरूद्धः भूतेषु कामः अस्मि भरतर्षभ ॥ ७ - ११ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
बलम्	Balam	strength	बल अर्थात् सामर्थ्य	असे सामर्थ्य
बलवताम्	Balavataam	of the strong	बलवानों का	बलबानांचे
अस्मि	Asmi	(I) am	मैं हूँ	मीच आहे
कामराग-विवर्जितम्	Kaama-Raaga-Vivarjitam	devoid of desire and attachment	आसक्ति और कामनाओं से रहित	आसक्ती व कामना रहित
धर्माविरूद्धः	Dharmaa-ViruuddhaH	not contrary to the scriptures	धर्म के अनुकूल अर्थात् शास्त्र के अनुकूल	धर्माला अनुकूल म्हणजे शास्त्राला अनुकूल
भूतेषु	BhuuteShu	in beings	और सब भूतों में	सर्व प्राणिमात्रांमध्ये
कामः	KaamaH	desire	काम	काम
अस्मि	Asmi	(I) am	मैं हूँ	(मीच) आहे
भरत - ऋषभ	Bharata - RhiShabha	O the best (bull) among the Bharatas!	हे भरतश्रेष्ठ !	हे भरतश्रेष्ठा !

अन्वय :-

हे भरतर्षभ ! (अहम् च) बलवताम् , कामरागविवर्जितम् बलम् अस्मि , भूतेषु धर्माविरूद्धः कामः (अहम्) अस्मि ॥ ७ - ११ ॥

English translation: -

O the best (bull) among the Bharatas, I am the strength of the strong which is devoid of desire and attachment. In all beings, I am the sexual desire that is not contrary to the scriptures.

हिन्दी अनुवाद :-

हे भरतश्रेष्ठ ! मैं बलवानों का - आसक्ति और कामनाओं से रहित - बल अर्थात् सामर्थ्य हूँ और सब भूतों में धर्म के अनुकूल अर्थात् शास्त्र के अनुकूल , सन्तान की उत्पत्ति के लिए , किए जानेवाला सम्भोग भी , मैं ही हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

वासनारहित व आसक्तिरहित असे बलवानांचे बळ मीच आहे . सर्व प्राणिमात्रांच्या ठिकाणी धर्माला अनुकूल असणारी कामवासना सुद्धा मीच आहे .

विनोबांची गीताई :-

वैराग्य युक्त निष्काम बळवंतांत मी बळ ।
राहे धरून धर्मास ती मी भूतांत वासना ॥ ७ - ११ ॥

ये च एव सात्त्विकाः भावाः राजसाः तामसाः च ये ।

मत्तः एव इति तान् विद्धि न तु अहम् तेषु ते मयि ॥ ७ - १२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
ये	Ye	whatever	जो	जे
च	Cha	and	और	आणखी
एव	Eva	even	भी	सुद्धा
सात्त्विकाः	SaatvikaaH	of Sattvika	सत्त्वगुण से उत्पन्न होनेवाले	सत्त्वगुणापापासून उत्पन्न होणारे
भावाः	BhaavaaH	natures	भाव हैं	भाव
राजसाः	RaajasaaH	of Rajasika	रजोगुण से	रजोगुणापासून उत्पन्न होणारे
तामसाः	TaamasaaH	Of Tamasika	तथा तमोगुण से होनेवाले भाव हैं	तमोगुणापासून निर्माण होणारे भाव आहेत
च	Cha	and	और	आणि
ये	Ye	whatever these	जो	जे
मत्तः	MattaH	from Me	मुझ से	माझ्यापासून उत्पन्न होणारे आहेत
एव	Eva	alone	ही	केवळ
इति	Iti	thus	ऐसा	असे
तान्	Taan	these	उन सब को होनेवाले हैं	ते सर्व
विद्धि	Viddhi	know	तुम जान लो	तू जाण
न	Na	not	नहीं हैं	नाहीत
तु	Tu	but	परन्तु वास्तव में	परंतु (वास्तविक पाहता)
अहम्	Aham	I	मैं और	मी आहे
तेषु	TeShu	in them	उन में	त्यांच्यामध्ये
ते	Te	they	वे	ते
मयि	Mayi	In Me	मुझ में	माझ्यामध्ये

अन्वय :- ये च एव सात्त्विकाः राजसाः तामसाः च ये भावाः, (ते) मत्तः एव इति तान् विद्धि ; अहम् तेषु न (अस्मि), तु ते मयि (वर्तन्ते) ॥ ७ - १२ ॥

English translation:-

And whatever natures that are of Sattva, Rajas or Tamas, know them to proceed from Me; still I am not in them, but they are in Me.

हिन्दी अनुवाद :-

और जो भी सत्त्वगुण से, रजोगुण से तथा तमोगुण से होनेवाले भाव हैं; उन सब को तुम मुझ से ही होनेवाले हैं, ऐसा जान लो। अतः, वे गुण मुझपर निर्भर करते हैं; परन्तु मैं, उन के आश्रित या उन से कभी भी प्रभावित, नहीं रहता हूँ।

मराठी भाषान्तर :-

सात्त्विक, राजस आणि तामस हे तीनही भाव माझ्यापासून उत्पन्न होतात; हे तू जाण. ते माझ्यात आहेत; पण मी त्यांच्यात नाही.

विनोबांची गीताई :-

माझ्यांतूनि तिन्ही झाले सात्त्विकादिक भाव ते।
परी त्यांत न मी राहें ते चि माझ्यांत राहती ॥ ७ - १२ ॥

त्रिभिः गुणमयैः भावैः एभिः सर्वम् इदम् जगत् ।

मोहितम् न अभिजानाति माम् एभ्यः परम् अव्ययम् ॥ ७ - १३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
त्रिभिः	TribhiH	by three	तीनों प्रकार के	तीन प्रकारच्या
गुणमयैः	GuNamayaiH	composed of qualities	गुणों के कार्यरूप सात्विक राजस और तामस	सत्त्व रज आणि तमस अशा गुणांनी
भावैः	BhaavaiH	by natures	भावों से	भावांनी
एभिः	EbhiH	by these	इन	या
सर्वम्	Sarvam	all	सारा	संपूर्ण
इदम्	Idam	this	यह	हे
जगत्	Jagat	world	संसार प्राणिसमुदाय	जग
मोहितम्	Mohitam	deluded	मोहित हो रहा है	भ्रमित झालेले
न	Na	not	नहीं	नाही
अभिजानाति	Abhi-Jaanaati	knows well	जानता	जाणते
माम्	Maam	Me	मुझ	मला
एभ्यः	EbhyaH	From them	इसलिये इन तीनों गुणों से	यांच्यापेक्षा
परम्	Param	higher	परे	श्रेष्ठ
अव्ययम्	Avyayam	immutable	अविनाशी तत्त्व को	अविनाशी

अन्वय :-

एभिः त्रिभिः गुणमयैः भावैः इदम् सर्वम् जगत् मोहितम् , (अतः) एभ्यः परम् अव्ययम् माम् न अभिजानाति ॥ ७ - १३ ॥

English translation: -

Deluded by these three types of dispositions of Sattva, Rajas and Tamas natures; this world does not know Me well, I am above them and immutable.

हिन्दी अनुवाद :-

प्रकृति के गुणों से कार्यरूप - सात्विक , राजस और तामस इन तीनों प्रकार के भावों से - यह सारा संसार भ्रमित रहता है ; इसलिये , इन तीनों गुणों से परे मुझ अविनाशी परमात्मा को नहीं जान पाता ।

मराठी भाषान्तर :-

या तीन गुणात्मक भावांनी हे सर्व जग भूलून गेलेले आहे . त्यामुळे या तीन गुणांच्या पलीकडे असणाऱ्या , अविनाशी अशा मला म्हणजेच ईश्वराला ; ते जाणत नाहीत .

विनोबांची गीताई :-

ह्या गुणात्मक भावांनीं विश्व मोहूनि टाकिलें ।

ज्यामुळें मी न ज्ञाणूं यें गुणातीत सनातन ॥ ७ - १३ ॥

दैवी हि एषा गुणमयी मम माया दुरत्यया ।

माम् एव ये प्रपद्यन्ते मायाम् एताम् तरन्ति ते ॥ ७ - १४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दैवी	Daivee	divine	अलौकिक अर्थात् अति अद्भुत्	ईश्वरी
हि	Hi	verily / indeed	क्योंकि	कारण
एषा	Eshaa	this	यह	ही
गुणमयी	GuNamayii	made of qualities	त्रिगुणमयी	त्रिगुणात्मक
मम	Mama	My	मेरी	माझी
माया	Maayaa	illusion	माया को	माया
दुरत्यया	Duratyayaa	difficult to cross over	पार करना बड़ा कठिन है	तरून जाण्यास फार कठीण (आहे परंतु)
माम्	Maam	In Me	मेरी	मला
एव	Eva	alone	केवल	केवळ
ये	Ye	those who	जो पुरुष	जे पुरुष
प्रपद्यन्ते	Prapadyante	take refuge	मुझ को ही निरन्तर भजते हैं	शरण येतात
मायाम्	Maayaam	illusion	माया को	मायेला
एताम्	Etaam	this	इस	या
तरन्ति	Taranti	cross over	उल्लङ्घन कर जाते हैं अर्थात् संसार से तर जाते हैं	तरून जातात
ते	Te	they	वे	ते

अन्वय :-

एषा दैवी गुणमयी मम माया हि दुरत्यया। ये माम् एव प्रपद्यन्ते, ते एताम् मायाम् तरन्ति ॥ ७ - १४ ॥

English translation: -

Verily, this divine illusion of Mine, made of three natures of Sattva, Rajas and Tamas, is very difficult to surmount; however only those who take refuge in Me, they are able to cross over this illusion.

हिन्दी अनुवाद :-

क्योंकि, यह अलौकिक अर्थात् अति अद्भुत् त्रिगुणमयी मेरी माया को पार करना बड़ा कठिन है। जो पुरुष केवल मुझे शरण आकर, मुझ को ही निरन्तर भजते हैं वे इस माया को उल्लङ्घन कर जाते हैं अर्थात् संसार से तर जाते हैं।

मराठी भाषान्तर :-

माझी ही त्रिगुणात्मक दैवी माया तरून जाणे अतिशय कठीण आहे. जे मलाच शरण येतात तेच ही माया तरून जातात.

विनोबांची गीताई :-

माझी ही त्रिगुणी दैवी माया न तरवे कुणा।
कासेस लागले माझ्या ते ते चि ज़ाती तरूनियां ॥ ७ - १४ ॥

न माम् दुष्कृतिनः मूढाः प्रपद्यन्ते नराधमाः ।

मायया अपहृतज्ञानाः आसुरम् भावम् आश्रिताः ॥ ७ - १५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाही
माम्	Maam	to Me	मुझ को	मला
दुष्कृतिनः	DuShkrutinaH	evil doers	दूषित कर्म करनेवाले	दुष्ट कर्म करणारे
मूढाः	MuuDhaaH	the deluded	मूढलोग	मूढ लोक
प्रपद्यन्ते	Prapadyante	seek	भजते	शरण येतात
नराधमाः	NaraadhamaaH	the lowest of men	मनुष्यों में नीच	मनुष्यांमध्ये नीच
मायया	Maayayaa	by illusion	माया के द्वारा	मायेच्या द्वारा
अपहृतज्ञानाः	Apahruta-DnyaanaaH	those whose knowledge is destroyed	जिनका ज्ञान हरा जा चुका है	ज्यांचे ज्ञान हरण केले गेले आहे
आसुरम्	Aaasuram	of demon	ऐसे आसुर	आसुर
भावम्	Bhaavam	the nature	स्वभाव को	भाव
आश्रिताः	AashritaaH	refuged in	धारण किये हुए	आश्रय घेतलेले

अन्वय :-

मायया अपहृतज्ञानाः , आसुरम् भावम् आश्रिताः , दुष्कृतिनः , मूढाः नराधमाः ; माम् न प्रपद्यन्ते ॥ ७ - १५ ॥

English translation: -

The evil-doers, the deluded, the lowest of men, devoid of discrimination by illusion, do not seek refuge in Me and instead follow the path of the demons.

हिन्दी अनुवाद :-

त्रिगुणमयी माया के द्वारा , जिनका ज्ञान हरा जा चुका है , ऐसे आसुर स्वभाव को धारण किये हुए , मनुष्यों में नीच दूषित कर्म करनेवाले , मूढलोग मुझ को नहीं भजते ।

मराठी भाषान्तर :-

दुराचारी , अविवेकी आणि मायेच्या जोरामुळे ज्यांचे ज्ञान हरपले आहे ; असे आसुरीभावाचा आश्रय करणारे नराधम , मला शरण येत नाहीत .

विनोबांची गीताई :-

हीन मूढ दुराचारी माझा आश्रय सोडिती ।
मायेनें भ्रांत होऊनि आसुरी भाव ज़ोडिती ॥ ७ - १५ ॥

चतुर्विधाः भजन्ते माम् जनाः सुकृतिनः अर्जुन ।

आर्तः जिज्ञासुः अर्थार्थी ज्ञानी च भरतर्षभ ॥ ७ - १६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
चतुर्विधाः	ChaturvidhaaH	of four kinds	चार प्रकार के	चार प्रकारचे
भजन्ते	Bhajante	worship	भजते हैं	भजतात
माम्	Maam	Me	मुझ को	मला
जनाः	JanaaH	people	ऐसे भक्तजन	लोक
सुकृतिनः	SukrutinaH	virtuous	उत्तम कर्म करनेवाले	सत्कर्म करणारे
अर्जुन	Arjuna	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
आर्तः	AartaH	the distressed ones	आर्त याने सङ्कट निवारण के लिये भजनेवाला	दुःखी
जिज्ञासुः	JidnyaasuH	the seekers of knowledge	जिज्ञासु याने मुझको यथार्थरूप से जानने की इच्छा से भजनेवाला	ज्ञानप्राप्तीची इच्छा करणारे
अर्थार्थी	Arthaarthee	the seekers of wealth	अर्थार्थी याने सांसारिक पदार्थों के लिये भजनेवाला	धनप्राप्तीची अपेक्षा करणारे
ज्ञानी	Dnyaanee	The wise	ज्ञानी	ज्ञानी
च	Cha	and	और	व
भरत - ऋषभ	Bharata - RhiShabha	O best (bull) among the Bharatas!	हे भरतवंशियों में श्रेष्ठ अर्जुन !	हे भरतवंशातील श्रेष्ठ अर्जुना !

अन्वय :- हे भरतर्षभ अर्जुन ! आर्तः , जिज्ञासुः , अर्थार्थी , ज्ञानी च (इति) चतुर्विधाः सुकृतिनः जनाः माम् भजन्ते ॥ ७ - १६ ॥

English translation: -

O Arjuna! Four kinds of virtuous people worship Me – the distressed ones, the seekers of knowledge, the seekers of wealth and the wise, O the best (bull) among the Bharatas!

हिन्दी अनुवाद :-

हे भरतवंशियों में श्रेष्ठ अर्जुन ! उत्तम कर्म करनेवाले - अर्थार्थी याने सांसारिक पदार्थों के लिये भजनेवाले , आर्त याने सङ्कट निवारण के लिये भजनेवाले , जिज्ञासु याने मुझको यथार्थरूप से जानने की इच्छा से भजनेवाले और ज्ञानी ऐसे चार प्रकार के भक्तजन मुझ को भजते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! दुःखपीडित , तत्त्व जाणण्याची इच्छा करणारे , भोगप्राप्तीची इच्छा करणारे व तत्त्वज्ञानी (आर्त , जिज्ञासु , अर्थार्थी व ज्ञानी) असे चार प्रकारचे सदाचारी लोक माझी भक्ती करतात .

विनोबांची गीताई :-

भक्त चौघे सदाचारी भजती मज अर्जुना ।

ज्ञानी तसे चि जिज्ञासु हितार्थी आणि विह्वल ॥ ७ - १६ ॥

तेषाम् ज्ञानी नित्ययुक्तः एकभक्तिः विशिष्यते ।

प्रियः हि ज्ञानिनः अत्यर्थम् अहम् सः च मम प्रियः ॥ ७ - १७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तेषाम्	TeShaam	of them	उन में	त्या (चार प्रकारच्या भक्तांपैकी)
ज्ञानी	Dnyaanee	the wise	ज्ञानी भक्त	ज्ञानी भक्त
नित्ययुक्तः	NityayuktaH	ever steadfast	नित्य मुझ में एकीभाव से स्थित	नेहमी माझ्याठिकाणी एकनिष्ठ राहणारा
एकभक्तिः	Eka-BhaktiH	one with ingle-pointed / well focussed devotion	अनन्य प्रेमभक्तिवाला	एकनिष्ठ भक्ती करणारा
विशिष्यते	Vishishyate	excels	अति उत्तम है	अतिशय उत्तम आहे
प्रियः	PriyaH	dear	प्रिय हूँ	प्रिय
हि	Hi	indeed	क्योंकि मुझ को तत्त्व से जाननेवाले	कारण (तत्त्वतः मला जाणणाऱ्या)
ज्ञानिनः	DnyaaninaH	of the wise	ज्ञानी को	ज्ञानी - पुरुषाला
अत्यर्थम्	Atyartham	extremely	अत्यन्त	अत्यंत
अहम्	Aham	I	मैं	मी
सः	SaH	he	वह ज्ञानी	तो (ज्ञानी पुरुष)
च	Cha	and	और	आणि
मम	Mama	of Me	मुझे	मला
प्रियः	PriyaH	dear	अत्यन्त प्रिय है	प्रिय आहे

अन्वय :-

तेषाम् नित्ययुक्तः एकभक्तिः ज्ञानी विशिष्यते। अहम् हि ज्ञानिनः अत्यर्थम् प्रियः (अस्मि), सः (ज्ञानी) च मम प्रियः (अस्ति) ॥ ७ - १७ ॥

English translation: -

Of them, the wise, ever steadfast with single-pointed devotion, excels. I am extremely dear to the wise and he is equally dear to Me.

हिन्दी अनुवाद :-

उन चार भक्तों में, नित्य मुझ में एकीभाव से स्थित, अनन्य प्रेमभक्तिवाला, ज्ञानी भक्त श्रेष्ठ है ; क्योंकि, मुझ को तत्त्व से जाननेवाले ज्ञानी को, मैं अत्यन्त प्रिय हूँ और वह ज्ञानी मुझे अत्यन्त प्रिय है।

मराठी भाषान्तर :-

त्या चार भक्तांपैकी नित्य समभाव ठेवणारा योगव्रत, एकनिष्ठ, ज्ञानीभक्त अधिक श्रेष्ठ होय. अशा ज्ञानी पुरुषास मी अत्यंत प्रिय आहे व तो मला अत्यंत प्रिय आहे.

विनोबांची गीताई :-

ज्ञानी वरिष्ठ सर्वांत नित्य युक्त अनन्य ज्ञो।
अत्यंत गोड मी त्यास तो हि गोड तसा मज ॥ ७ - १७ ॥

उदाराः सर्वे एव एते ज्ञानी तु आत्मा एव मे मतम् ।

आस्थितः सः हि युक्तात्मा माम् एव अनुत्तमाम् गतिम् ॥ ७ - १८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
उदाराः	UdaaraaH	noble	उदार तथा श्रेष्ठ हैं	उदार
सर्वे	Sarve	all	सभी	सर्व
एव	Eva	indeed	वैसे तो	च
एते	Ete	these	ये	हे
ज्ञानी	Dnyaanee	the wise	ज्ञानी (तो)	ज्ञानी पुरुष
तु	Tu	but	परंतु	परंतु
आत्मा	Aatmaa	the Self	साक्षात् स्वरूप है	आत्मा (साक्षात स्वरूप आहे)
एव	Eva	only	ही	केवळ
मे	Me	My	मेरा	माझे
मतम्	Matam	opinion	ऐसा मेरा मत है	(असे माझे) मत (आहे)
आस्थितः	AasthitaH	established	अच्छी प्रकार स्थित है	चांगल्याप्रकारे स्थित असतो
सः	SaH	he	वह	तो (असा ज्ञानीभक्त)
हि	Hi	for	क्योंकि	कारण
युक्तात्मा	Yuktaatmaa	steadfast in mind	मद्गत मनबुद्धिवाला ज्ञानी भक्त	योगी
माम्	Maam	Me	मुझ में	माझ्या
एव	Eva	alone	ही	सुद्धा
अनुत्तमाम्	Anuttamam	supreme	अति उत्तम	अतिशय उत्तम
गतिम्	Gatim	goal	गतिस्वरूप	गती

अन्वय :- एते सर्वे एव उदाराः (सन्ति), ज्ञानी तु (मम) आत्मा एव (अस्ति इति) मे मतम् । सः हि युक्तात्मा अनुत्तमाम् गतिम् माम् एव आस्थितः (अस्ति) ॥ ७ - १८ ॥

English translation: -

Noble indeed are all those; but the wise person, I deem him to be My very Self. For being steadfast in mind, he is established in Me alone, as the Supreme Goal.

हिन्दी अनुवाद :-

वैसे तो ये सभी उदार तथा श्रेष्ठ हैं । परंतु ज्ञानी तो साक्षात् मेरा स्वरूप ही है, ऐसा मेरा मत है; क्योंकि, वह मद्गत मनबुद्धिवाला ज्ञानी भक्त, अति उत्तम गतिस्वरूप, मुझ में ही उत्तम प्रकार से स्थित है।

मराठी भाषान्तर :-

हे सर्वच भक्त श्रेष्ठ आहेत, पण ज्ञानी तर साक्षात माझेच स्वरूप आहे (माझा आत्माच होय), असे मी मानतो; कारण तो माझ्या ठायी सतत चित्त लावून व मलाच सर्वोत्तम गती मानून केवळ माझाच आश्रय करतो.

विनोबांची गीताई :-

उदार हे ज़री सारे ज्ञानी ति मी चि कीं स्वयें।

ज़ोडला स्थिर माझ्यांत गति अंतिम पाहुनी ॥ ७ - १८ ॥

बहूनाम् जन्मनाम् अन्ते ज्ञानवान् माम् प्रपद्यते ।

वासुदेवः सर्वम् इति सः महात्मा सुदुर्लभः ॥ ७ - १९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
बहूनाम्	Bahuunaam	many	बहुत जन्मों के बाद	पुष्कळ
जन्मनाम्	Janmanaam	births	जन्म में	जन्मांच्या
अन्ते	Ante	in the end	अन्त के	शेवटी
ज्ञानवान्	Dnyaanavaan	the wise	तत्त्वज्ञान को प्राप्त पुरुष	तत्त्वज्ञान प्राप्त झालेला मनुष्य
माम्	Maam	to Me	मुझ को	मला
प्रपद्यते	Prapadyate	reaches / approaches	भजता है	प्राप्त होतो
वासुदेवः	VasudevaH	the ultimate reality	वासुदेव ही है	वासुदेव
सर्वम्	Sarvam	all	सब कुछ	सर्व
इति	Iti	thus	इस प्रकार	या प्रकारे
सः	SaH	he	वह	तो
महात्मा	Mahaatmaa	the great soul	महात्मा	महात्मा
सुदुर्लभः	Su-DurlabhaH	very hard / rare to find	अत्यन्त दुर्लभ है	अत्यंत दुर्लभ (आहे)

अन्वय :-

ज्ञानवान् बहूनाम् जन्मनाम् अन्ते "वासुदेवः सर्वम्" इति (अनुभूय) माम् प्रपद्यते । सः महात्मा सुदुर्लभः ॥ ७ - १९ ॥

English translation: -

At the end of many births, the man of wisdom takes refuge in Me, realising that Vasudeva (Myself) is the only reality of all. Such a great soul is indeed rare to find.

हिन्दी अनुवाद :-

बहुत से जन्मों के बाद, अन्तिम जन्म में, तत्त्वज्ञान को प्राप्त पुरुष, सब कुछ वासुदेव ही है अर्थात् श्रीकृष्ण के सिवा अन्य कुछ है ही नहीं, इस विश्वास से, इस प्रकार मुझ को भजता है ; वह महात्मा अत्यन्त दुर्लभ है।

मराठी भाषान्तर :-

अनेक जन्मांच्या शेवटी जे काही या जगात आहे ते सर्व वासुदेवच आहे असे अनुभवून परिपक्व ज्ञानी मलाच प्राप्त होतो. असा महात्मा अत्यंत दुर्मिळ होय. (वसुदेवाचा पुत्र वासुदेव म्हणजेच श्रीकृष्ण होय.)

विनोबांची गीताई :-

अनेक जन्म घेऊनि पावला शरणागति।
विश्व देखे वासुदेव संत तो बहु दुर्लभ ॥ ७ - १९ ॥

कामैः तैः तैः हृतज्ञानाः प्रपद्यन्ते अन्यदेवताः ।

तम् तम् नियमम् आस्थाय प्रकृत्या नियताः स्वया ॥ ७ - २० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
कामैः	KaamaiH	by desires	भोगों की कामना द्वारा	कामवासनांनी
तैः	TaiH	by them	उन	त्या
तैः	TaiH	By them	उन	त्या
हृतज्ञानाः	Hruta-DnyaanaaH	those deprived of knowledge	जिनका ज्ञान हरा जा चुका है वे लोग	ज्यांचे ज्ञान हरण केले गेले आहे
प्रपद्यन्ते	Prapadyante	approach	भजते हैं अर्थात् पूजते हैं	भजतात (पूजा करतात)
अन्यदेवताः	Anya-DevataaH	other gods	अन्य देवताओं को	अन्य देवतांना
तम्	Tam	That	उस	त्या
तम्	Tam	That	उस	त्या
नियमम्	Niyamam	rite	नियमको	नियमांचा
आस्थाय	Aasthaaya	having followed	धारण कर	अंगीकार करून
प्रकृत्या	Prakrutyaa	by nature	स्वभावसे	स्वभावाने
नियताः	NiyataaH	led	प्रेरित होकर	आधीन होऊन
स्वया	Svayaa	by one's own	अपने	आपल्या

अन्वय :-

तैः तैः कामैः हृतज्ञानाः स्वया प्रकृत्या नियताः (अज्ञानिनः) तम् तम् नियमम् आस्थाय अन्यदेवताः प्रपद्यन्ते ॥ ७ - २० ॥

English translation:-

But those whose discrimination has been led astray by this or that desire, approach other gods, following this or that rite, constrained by their own nature.

हिन्दी अनुवाद :-

उन - उन भोगों की कामना द्वारा जिन का ज्ञान हरा जा चुका है वे लोग अपने स्वभाव से प्रेरित होकर उस - उस नियम को धारण कर अन्य देवताओं को भजते हैं अर्थात् पूजते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

त्या त्या भिन्न कामनांमुळे ज्यांचे ज्ञान नष्ट झाले आहे आणि जे आपल्या प्रकृतीला म्हणजेच उपजत वृत्तीला शरण गेल्यामुळे पराधीन झालेले आहेत ; ते अज्ञानी लोक उपासनेच्या विविध नियमांना पाळून , दुसऱ्या देवतांना भजतात .

विनोबांची गीताई :-

भ्रमले कामना ग्रस्त धुंदिती अन्य दैवतें ।

स्वभाव - वश होऊनि तो तो नियम पाळिती ॥ ७ - २० ॥

यः यः याम् याम् तनुम् भक्तः श्रद्धया अर्चितुम् इच्छति ।

तस्य तस्य अचलाम् श्रद्धाम् ताम् एव विदधामि अहम् ॥ ७ - २१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यः	YaH	who	जो	जो
यः	YaH	who	जो	जो
याम्	Yaam	which	जिस	ज्या
याम्	Yaam	which	जिस	ज्या
तनुम्	Tanum	form	देवता के स्वरूप को	देवतेला
भक्तः	BhaktaH	devotee	सकाम भक्त	भक्त
श्रद्धया	Shraddhayaa	with faith	श्रद्धासे	श्रद्धेने
अर्चितुम्	Architum	to worship	पूजना	पूजन करण्याची
इच्छति	Ichchhati	desires	चाहता है	इच्छा करतो
तस्य	Tasya	of him	उस	त्या
तस्य	Tasya	of him	उस	त्या (भक्तांच्या)
अचलाम्	Achalaam	unswerving	स्थिर	दृढ
श्रद्धाम्	Shraddhaam	faith	भक्त की श्रद्धा को	श्रद्धेला
ताम्	Taam	that	उसी देवता के प्रति	त्या (देवतेच्या बाबतीत)
एव	Eva	only	केवल	केवळ
विदधामि	Vidadhaami	do make	करता हूँ	प्रदान करतो
अहम्	Aham	I	मैं	मी

अन्वय :-

यः यः भक्तः याम् याम् तनुम् श्रद्धया अर्चितुम् इच्छति, तस्य तस्य ताम् एव श्रद्धाम् अहम् अचलाम् विदधामि ॥ ७ - २१ ॥

English translation: -

Whatever form any devotee with faith wishes to worship, I make that faith of his steady / unswerving.

हिन्दी अनुवाद :-

जो - जो सकाम भक्त, जिस - जिस देवता के स्वरूप को, श्रद्धा से पूजना चाहता है; उस - उस भक्त की श्रद्धा को, मैं केवल उसी देवता के प्रति, स्थिर करता हूँ।

मराठी भाषान्तर :-

जो जो भक्त ज्या ज्या देवतेची श्रद्धेने उपासना करतो; त्याची त्या त्या देवतेच्या ठायी असलेली श्रद्धा, मी दृढ करतो.

विनोबांची गीताई :-

श्रद्धेनें ज्या स्वरूपास जे भजूं इच्छिती जसे।
त्यांची ती चि तशी श्रद्धा स्थिर मी करितों स्वयें ॥ ७ - २१ ॥

सः तया श्रद्धया युक्तः तस्य आराधनम् ईहते ।

लभते च ततः कामान् मया एव विहितान् हि तान् ॥ ७ - २२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सः	SaH	he	वह पुरुष	तो (पुरुष)
तया	Tayaa	with that	उस	त्या
श्रद्धया	Shraddhayaa	with faith	श्रद्धासे	श्रद्धेने
युक्तः	YuktaH	endued	युक्त होकर	युक्त होऊन
तस्य	Tasya	of it	उस देवता का	त्या (देवतेचे)
आराधनम्	Aaraadham	worship	पूजन	पूजन
ईहते	Iihate	seeks / engages in	करता है	करतो
लभते	Labhate	(he) obtains	प्राप्त करता है	प्राप्त करून घेतो
च	Cha	and	और	आणि
ततः	TataH	from that	उस देवता से	(आणि) त्या देवतेपासून
कामान्	Kaamaan	desires	इच्छित भोगों को	इष्ट भोग
मया	Mayaa	by Me	मेरे द्वारा	माझ्या
एव	Eva	alone	ही	च
विहितान्	Vihitaan	obtained	विधान किये हुए	विधान केलेले
हि	Hi	indeed	निःसन्देह	निश्चितपणे
तान्	Taan	those	उन	त्या

अन्वय :-

सः तया श्रद्धया युक्तः तस्य आराधनम् ईहते, ततः च मया एव विहितान्, तान् कामान् लभते हि ॥ ७ - २२ ॥

English translation:-

Endowed with that faith, he seeks the worship of that form and from it he fulfils his desires, which are being verily ordained by Me alone.

हिन्दी अनुवाद :-

वह पुरुष, उस श्रद्धा से युक्त होकर, उस देवता का पूजन करता है और उस देवता से, मेरे द्वारा ही विधान किये हुए उन इच्छित भोगों को, निःसन्देह प्राप्त करता है। वास्तव में, वे इष्टफल, मेरे द्वारा ही दिये जाते है।

मराठी भाषान्तर :-

श्रद्धेने युक्त होऊन, तो पुरुष त्या देवतेची आराधना करतो व मीच प्रदान केलेल्या श्रद्धेमुळे त्याला इच्छित कामनांची फळे प्राप्त होतात.

विनोबांची गीताई :-

त्या श्रद्धेच्या बळानें ते त्या स्वरूपास पूजिती।
मग मागितले भोग पावती मीं चि निर्मिले ॥ ७ - २२ ॥

अन्तवत् तु फलम् तेषाम् तत् भवति अल्प मेधसाम् ।

देवान् देवयजः यान्ति मद्भक्ताः यान्ति माम् अपि ॥ ७ - २३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अन्तवत्	Antavat	finite	नाशवान्	नाशवंत
तु	Tu	but / indeed / verily	परंतु	परंतु
फलम्	Phalam	the favourable outcome / fruit	फल	फळ
तेषाम्	TeShaam	of them	उन	त्या
तत्	Tat	that	वह	ते
भवति	Bhavati	is	है	असते
अल्प - मेधसाम्	Alpa - Medhasaam	those of little intelligence	अल्प बुद्धिवालों का	अल्पबुद्धी माणसांचे
देवान्	Devaan	to gods	देवताओं को	देवतांना
देवयजः	DevayajaH	worshippers of gods	तथा वे देवताओं को पूजनेवाले	देवांचे पूजक
यान्ति	Yaanti	go	प्राप्त होते हैं	प्राप्त करून घेतात
मद्भक्ताः	Mad-BhaktaaH	My devotees	मेरे भक्त (चाहे जैसे ही भजें अन्त में वे)	(परंतु) माझे भक्त (ते कसे ही भजोत)
यान्ति	Yaanti	go	प्राप्त होते हैं	(शेवटी ते) प्राप्त होतात
माम्	Maam	to Me	मुझ को	मला
अपि	Api	also / likewise	ही	च

अन्वय :-

तेषाम् अल्प मेधसाम् तत् फलम् तु अन्तवत् भवति ; देवयजः देवान् यान्ति , मद्भक्ताः अपि माम् यान्ति ॥ ७ - २३ ॥

English translation: -

But the fruit that accrues to those men of little intelligence is finite in nature i.e. it is limited. The worshippers of the gods go to those respective gods; likewise My devotees come to Me.

हिन्दी अनुवाद :-

परंतु उन अल्प बुद्धिवाले मनुष्यों को , नाशवान् देवताओं ने दिया हुआ वह फल , नाशवान् ही होता है । तथा वे देवताओं को पूजनेवाले , देवलोक को प्राप्त होते हैं ; और मेरे भक्त , चाहे जैसे ही भजें , अन्त में वे परमधाम पहुँचकर , मुझ को ही प्राप्त होते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

पण अल्पबुद्धीच्या भक्तजनांना मिळणारे ते फळ नाशवंत असते . देवांचे भक्त देवांकडे जातात ; तर माझे भक्त मलाच येऊन मिळतात .

विनोबांची गीताई :-

अल्प बुद्धीमुळें त्यांस मिळे अशाश्वत ।
देवांचे भक्त देवांस माझे ते मज़ पाविती ॥ ७ - २३ ॥

अव्यक्तम् व्यक्तिम् आपन्नम् मन्यन्ते माम् अबुद्धयः ।

परम् भावम् अजानन्तः मम अव्ययम् अनुत्तमम् ॥ ७ - २४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अव्यक्तम्	Avyaktam	the unmanifest	मन इन्द्रियों से परे	अप्रगट / अव्यक्त
व्यक्तिम्	Vyaktim	to manifestation	व्यक्ति - भाव को	प्रगट / व्यक्त
आपन्नम्	Aapannam	having come to	प्राप्त हुआ	प्राप्त झालेल्या
मन्यन्ते	Manyate	think	मानते हैं	मानतात
माम्	Maam	Me	मुझ सच्चिदानन्दघन परमात्मा को मनुष्य की भाँति जन्मकर	मला (सच्चिदानंदघन परमात्मस्वरूप माणसाप्रमाणे जन्म घेऊन)
अबुद्धयः	AbuddhayaH	the foolish	बुद्धिहीन पुरुष	बुद्धिहीन पुरुष
परम्	Param	supreme	परम	श्रेष्ठ
भावम्	Bhaavam	nature	भाव को	भाव
अजानन्तः	AjaanantaH	not knowing	न जानते हुए	न जाणणारे
मम	Mama	My	मेरे	माझे
अव्ययम्	Avyayam	immutable	अविनाशी	अविनाशी
अन् - उत्तमम्	An - Uttamam	most excellent / unsurpassed	अनुत्तम	सर्वश्रेष्ठ

अन्वय :-

मम परम् अव्ययम् अव्यक्तम् अनुत्तमम् भावम् अजानन्तः अबुद्धयः माम् व्यक्तिम् आपन्नम् मन्यन्ते ॥ ७ - २४ ॥

English translation:-

Men of poor understanding think of Me, the unmanifest, as having manifestation; not knowing My supreme state – immutable and unsurpassed.

हिन्दी अनुवाद :-

अज्ञानी मनुष्य , मुझ परब्रह्म परमात्मा के , मन बुद्धि तथा वाणी से परे , परम अविनाशी दिव्य रुप को नहीं जानते हैं ; और यह सत्य न समझने के कारण , ऐसा मान लेते हैं कि , मैं बिना रुपवाला तथा निराकार हूँ ; तथा कभी - कभी मनुष्य की भाँति रूप धारण करता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

माझे श्रेष्ठ , अविनाशी , अव्यक्त आणि अति उत्तमरूप न जाणणारे बुद्धिहीन लोक ; मला केवळ प्रकट म्हणजे व्यक्त रुपातच पाहतात .

विनोबांची गीताई :-

व्यक्त मी हें चि ते घेती बुद्धि - हीन न ज़ाणुनी ।

अव्यक्त थोर ज़ें रूप माझें अंतिम शाश्वत ॥ ७ - २४ ॥

न अहम् प्रकाशः सर्वस्य योगमायासमावृतः ।

मूढः अयम् न अभिजानाति लोकः माम् अजम् अव्ययम् ॥ ७ - २५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं होता हूँ	नाही
अहम्	Aham	I	मैं	मी
प्रकाशः	PrakaashaH	manifest	प्रत्यक्ष प्रगट	प्रगट
सर्वस्य	Sarvasya	of all	सब के सामने	सर्वांना
योगमाया-समावृतः	Yogamaayaa-SamaavrutaH	veiled by the illusion born of the three qualities of Sattva, Rajas and Tamas	अपनी योगमाया से छिपा हुआ	आपल्या योगमायेने झाकलेला
मूढः	MuuDhaH	deluded one	अज्ञानी	अज्ञानी
अयम्	Ayam	this	इसलिये यह	हा
न	Na	not	नहीं	नाही
अभिजानाति	Abhijaanaati	know	जानता अर्थात् मुझ को जन्मने मरनेवाला समझता है	जाणतो (म्हणजे मी जन्म व मृत्यु पावणारा सामान्य मनुष्य आहे असे समजतो)
लोकः	LokaH	world	जनसमुदाय	लोक
माम्	Maam	Me	मुझ	मला
अजम्	Ajam	unborn	जन्मरहित	जन्मरहित
अव्ययम्	Avyayam	imperishable	अविनाशी परमेश्वर को	अविनाशी

अन्वय :-

योगमायासमावृतः अहम् सर्वस्य प्रकाशः न । अयम् मूढः लोकः अजम् अव्ययम् माम् न अभिजानाति ॥ ७ - २५ ॥

English translation:-

Veiled by Yogamaya, I am not manifest to all. This deluded world knows Me not, the Unborn, the Imperishable.

हिन्दी अनुवाद :-

जो अज्ञानी तथा मूढ मनुष्य, मुझ परब्रह्म परमात्मा के, जन्मरहित अविनाशी दिव्य रुप को, अच्छी तरह नहीं जान तथा समझ पाते हैं; उन सब के सामने, अपनी योगमाया से छिपा हुआ मैं, कभी प्रकट नहीं होता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

योगमायेने आच्छादित असल्यामुळे, मी सर्व लोकांना प्रत्यक्ष दिसत नाही; म्हणून हे अज्ञानी लोक जन्मरहित व अविनाशी अशा मला उत्तमप्रकारे जाणत नाहीत.

विनोबांची गीताई :-

वेढिलों योग मायेनें अंधार चि जगास जगास मी ।
अजन्मा नित्य मी कैसा मूढ कोणी न ओळखे ॥ ७ - २५ ॥

वेद अहम् समतीतानि वर्तमानानि च अर्जुन ।

भविष्याणि च भूतानि माम् तु वेद न कश्चन ॥ ७ - २६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
वेद	Veda	know	जानता हूँ	जाणतो
अहम्	Aham	I (am)	मैं	मी
सम् - अतीतानि	Sam - Ateetaani	With the past	पूर्व में / भूतकाल में व्यतीत हुए	पूर्वी होऊन गेलेली
वर्तमानानि	Vartamaanaani	the present	वर्तमान में स्थित	वर्तमानकाळी असणारी
च	Cha	and	और	आणि
अर्जुन	Arjuna	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
भविष्याणि	BhaviShyaaNi	the future	तथा आगे होने वाले	भविष्यकाळी होणारी
च	Cha	and	और	तसेच
भूतानि	Bhuutaani	beings	सब भूतों को	सर्व प्राणीमात्रांना
माम्	Maam	Me	मैं	मला
तु	Tu	but	परंतु	परंतु
वेद	Veda	know	जानता है	जाणतो
न	Na	not	नहीं	(जाणत) नाही
कश्चन	Kashchana	anyone	कोई भी श्रद्धा - भक्ति रहित पुरुष	कोणीही (म्हणजे श्रद्धा व भक्ती रहित पुरुष)

अन्वय :-

हे अर्जुन ! अहम् समतीतानि वर्तमानानि च भविष्याणि च भूतानि वेद । कश्चन तु माम् न वेद ॥ ७ - २६ ॥

English translation: -

O Arjuna! I know the beings of the past, the present and the future; however no one knows Me.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! मैं भूत, वर्तमान और भविष्य के सब प्राणियों को जानता हूँ; परन्तु मुझे कोई नहीं जानता।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! मी भूतकाळातील , वर्तमानकाळातील आणि भविष्यकाळातील सर्व प्राणिमात्रांना जाणतो ; पण मला कोणी ओळखत नाही .

विनोबांची गीताई :-

झालीं जीं जीं हि होतील भूतें आहेत आज़ जीं ।
सगळीं ज़ाणतों तीं मी मज कोणी न ज़ाणती ॥ ७ - २६ ॥

इच्छा - द्वेष सम् – उद् - स्थेन द्वन्द्व मोहेन भारत ।

सर्वभूतानि संमोहम् सर्गे यान्ति परंतप ॥ ७ - २७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
इच्छा – द्वेष - सम् – उद् - स्थेन	Ichchhaa – DveSha - Sam – Uda - Sthena	desire and aversion arising from	इच्छा और द्वेष से उत्पन्न	इच्छा व द्वेष यांच्या पासून उत्पन्न होणाऱ्या
द्वन्द्व	Dvandva	of the pairs of opposites	सुख दुःखादि द्वन्दरूप	सुख दुःखादि द्वंद्वरूप
मोहेन	Mohena	by the delusion	मोह से	मोहाने
भारत	Bhaarata	O Bharata!	हे भरतवंशी अर्जुन !	हे भरतवंशी अर्जुना !
सर्वभूतानि	Sarva-Bhuutaani	all beings	सम्पूर्ण प्राणी	संपूर्ण प्राणी
संमोहम्	SaMmoham	to delusion	अत्यन्त अज्ञता को	अज्ञानाला
सर्गे	Sarge	at birth	संसार में	उत्पत्तीत
यान्ति	Yaanti	go	प्राप्त होते हैं	प्राप्त होतात
परंतप	Parantapa	O Arjuna, the scorcher of foes!	हे अर्जुन !	हे शत्रुतापदायक अर्जुना !

अन्वय :-

हे परंतप भारत ! सर्वभूतानि इच्छा - द्वेष - सम् – उद - स्थेन , द्वन्द्व - मोहेन सर्गे संमोहम् यान्ति ॥ ७ - २७ ॥

English translation:-

O Arjuna! By the delusion of the pairs of opposites arising from desire and aversion, all beings are subject to illusion at birth, O harasser of foes!

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! प्रीति और द्वेष से उत्पन्न , सुख दुःखादि द्वन्द्व द्वारा भ्रमित , सभी प्राणी अत्यन्त अज्ञता को उत्पत्ती में प्राप्त होते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे शत्रूंना ताप देणाऱ्या अर्जुना ! सर्व प्राणिमात्र जन्मतः इच्छा व द्वेष यापासून उत्पन्न होणाऱ्या सुख - दुःख , मान - अपमान , राग - लोभ इत्यादि द्वंद्वांच्या मोहाने अविवेकास प्राप्त होतात .

विनोबांची गीताई :-

राग द्वेषांमुळें चित्तीं ज़डला द्वंद्व - मोह ज़ो ।
संसारीं सगळीं भूतें त्यानें मोहूनि टाकिलीं ॥ ७ - २७ ॥

येषाम् तु अन्तगतम् पापम् जनानाम् पुण्यकर्मणाम् ।

ते द्वन्द्व मोह निर्मुक्ताः भजन्ते माम् दृढव्रताः ॥ ७ - २८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
येषाम्	YeShaam	of whom	जिन	ज्यांचे
तु	Tu	but	परंतु निष्काम भाव से	परंतु (निष्काम भावाने)
अन्तगतम्	Antagatam	has gone to an end	नष्ट हो गया है	नष्ट होऊन गेले आहे
पापम्	Paapam	sin	पाप	पाप
जनानाम्	Janaanaam	of men	पुरुषोंका	पुरुषांचे
पुण्यकर्मणाम्	PuNya-KarmaNaam	those of virtuous deeds	श्रेष्ठ कर्मों का आचरण करनेवाले	पवित्र कर्म करणाऱ्या
ते	Te	they	वे	ते
द्वन्द्व	Dvandva	the pairs of opposites	प्रीति - द्वेषजनित द्वन्द्वरूप	द्वंद्व (राग द्वेष यांच्या पासून उत्पन्न होणाऱ्या)
मोह	Moha	the delusion	मोह से	मोह
निर्मुक्ताः	NirmuktaaH	freed from	मुक्त	मुक्त झालेले
भजन्ते	Bhajante	worship	भजते हैं	भजतात
माम्	Maam	Me	मुझ को सब प्रकार से	मला
दृढव्रताः	DruDha-VrataaH	those of firm resolve	दृढनिश्चयी भक्त	दृढनिश्चयी

अन्वय :-

येषाम् पुण्यकर्मणाम् जनानाम् तु पापम् अन्तगतम् ; ते दृढव्रताः , द्वन्द्व - मोह - निर्मुक्ताः माम् भजन्ते ॥ ७ - २८ ॥

English translation:-

But those men of virtuous deeds, whose sins have come to an end, who are freed from the delusion of the pairs of opposites; worship Me by remaining steadfast in their resolve.

हिन्दी अनुवाद :-

परन्तु निष्काम भाव से , अच्छे कर्म करनेवाले , जिन मनुष्यों के सारे पाप नष्ट हो गये हैं ; वे प्रीति - राग - जनित भ्रम से मुक्त होकर , दृढनिश्चय कर मेरी भक्ति करते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

पण ज्या पुण्य कर्म करणाऱ्या लोकांचे पाप नष्ट झाले आहे ते द्वंद्वमोहापासून दूर होऊन , निश्चयात्मक बुद्धीने दृढव्रत होऊन , मलाच भजतात .

विनोबांची गीताई :-

ज्यांनीं झिजविलें पाप पुण्य - कर्मैं करूनियां ।
ते द्वंद्व - मोह तोडुनि भजती मज निश्चयें ॥ ७ - २८ ॥

जरामरण मोक्षाय माम् आश्रित्य यतन्ति ये ।

ते ब्रह्म तत् विदुः कृत्स्नम् अध्यात्मम् कर्म च अखिलम् ॥ ७ - २९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
जरामरण	Jaraa - MaraNa	old age and death	वृद्धावस्था की व्याधि और मरण से	वार्धक्य आणि मरण
मोक्षाय	Mokshaaya	for liberation from	छूटने के लिये	सुटण्यासाठी
माम्	Maam	to Me	मेरे	मला
आश्रित्य	Aashritya	having taken refuge in	शरण होकर	आश्रय घेऊन
यतन्ति	Yatanti	strive	प्रयत्न करते हैं	प्रयत्न करतात
ये	Ye	who	जो	जे (पुरुष)
ते	Te	they	वे पुरुष	ते (पुरुष)
ब्रह्म	Brahma	Brahman	ब्रह्म को	ब्रह्म
तत्	Tat	that	उस	ते
विदुः	ViduH	know	जानते हैं	जाणतात
कृत्स्नम्	Krutsnam	all	सम्पूर्ण	संपूर्ण
अध्यात्मम्	Adhyaatmam	knowledge of the Self	अध्यात्म को	अध्यात्म
कर्म	Karma	action	कर्म को	कर्म
च	Cha	and	तथा	तसेच
अखिलम्	Akhilam	the entire / whole	सम्पूर्ण	संपूर्ण

अन्वय :-

ये माम् आश्रित्य जरामरण - मोक्षाय यतन्ति, ते तत् ब्रह्म, कृत्स्नम् अध्यात्मम्, अखिलम् कर्म च विदुः ॥ ७ - २९ ॥

English translation: -

Those who take refuge in Me and strive for the liberation from old-age decay and death, they realise in full that Brahman, the individual Self and all karma (action).

हिन्दी अनुवाद :-

जो मेरे शरणागत होकर, जन्म और मरण से मुक्ति पाने के लिये प्रयत्न करते हैं ; वे उस परब्रह्म को, सम्पूर्ण अध्यात्म को तथा सारे कर्मों को पूर्ण रूप से जान लेते हैं।

मराठी भाषान्तर :-

जे वृद्धत्व व मृत्यु यांच्यापासून मुक्त होण्यासाठी माझाच आश्रय घेऊन प्रयत्न करतात; ते भक्त त्या ब्रह्माला, संपूर्ण अध्यात्माला आणि सर्व कर्मांना जाणतात.

विनोबांची गीताई :-

झटती आश्रयें माझ्या जरा - मृत्यु गिळावया।
ते ब्रह्म जाणती पूर्ण तसें अध्यात्म कर्म हि ॥ ७ - २९ ॥

स - अधि - भूत - अधि - दैवम् माम् स - अधि - यज्ञम् च ये विदुः ।

प्रयाणकाले अपि च माम् ते विदुः युक्तचेतसः ॥ ७ - ३० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
स - अधि - भूत - अधि - दैवम्	Sa – Adhi – Bhuuta – Adhi - Daivam	with above-mentioned elements and gods	अधिभूत और अधिदैव के सहित	अधिभूत आणि अधिदैव यांसह
माम्	Maam	Me	मुझे	मला (सर्वांचे आत्मरूप अशा)
स - अधि - यज्ञम्	Sa - Adhi - Yadnyam	with above sacrifice	अधियज्ञ के सहित सब का आत्मरूप	अधियज्ञासहित
च	Cha	and	और	तसेच
ये	Ye	who	जो पुरुष	जे पुरुष
विदुः	ViduH	know	जानते हैं	जाणतात
प्रयाणकाले	PrayaaNa-Kaale	at the time of death	अन्तकाल में	अंतकाळी
अपि	Api	also	भी	सुद्धा
च	Cha	and	ही	च
माम्	Maam	Me	मुझे	मला
ते	Te	they	वे	ते
विदुः	ViduH	know	जानते हैं (अर्थात् प्राप्त हो जाते हैं)	जाणतात (म्हणजे मलाच प्राप्त करून घेतात)
युक्तचेतसः	Yukta-Chetasah	those steadfast in mind	युक्त चित्तवाले पुरुष	युक्तचित्त पुरुष

अन्वय :-

ये स - अधि - भूत - अधि - दैवम् , स - अधि - यज्ञम् च माम् विदुः ; ते युक्तचेतसः प्रयाणकाले अपि च माम् विदुः ॥ ७ - ३० ॥

English translation: -

Those who know Me with Adhi-bhuta (above the elements) Adhi-daivata (above the gods) and Adhi-Yadnya (above the sacrifice) even at the time of death, ever steadfast in mind, they know Me well.

हिन्दी अनुवाद :-

जो पुरुष अधिभूत और अधिदैव के सहित तथा अधियज्ञ के सहित सबका आत्मरूप , मुझे अन्तकाल में भी जानते हैं ; वे युक्तचित्तवाले पुरुष मुझे ही जानते हैं , अर्थात् प्राप्त हो जाते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

पंचमहाभूतांच्या पलीकडे (अधिभूत) , सर्व देवदेवतांच्या पलीकडे (अधिदैव) आणि सर्व प्रकारच्या त्यागांच्या पलीकडे असलेल्या (अधियज्ञ) अशा मला , जे यथार्थपणे जाणतात ; ते शांतचित्त पुरुष , मृत्युसमयी सुद्धा माझेच स्मरण करतात .

विनोबांची गीताई :-

अधिभूताधिदैवांत अधियज्ञांत जे मज ।

देखती ते प्रयाणीं हि जाणती मज सावध ॥ ७ - ३० ॥

ॐ तत् सत् इति श्रीमद् भगवद् गीतासु उपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायाम् योगशास्त्रे

श्रीकृष्णार्जुन संवादे ज्ञानविज्ञानयोगो नाम सप्तमोऽध्यायः ॥

हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् ।

Om that is real. Thus, in the Upanishad of the glorious Bhagwad Geeta, the knowledge of Brahman, the Supreme, the science of Yoga and the dialogue between Shri Krishna and Arjuna this is the seventh discourse designated as "the Yoga of Knowledge and Wisdom".

सातव्या अध्यायाचा एका श्लोकात मथितार्थ

माझ्या केवळ जाहली प्रकृतिनें ही सृष्टि सारी असे ।
पृथ्वीमाजिं सुगंध मीच रस मी तोयांत पार्था वसे ॥
सर्वांतर्गत मी परी नुमजती की ग्रस्त मायाबळें ।
जे चित्ती मज चिंतिती सतत ते तापत्रया वेगळे ॥

गीता सुगीता कर्तव्या किम् अन्यैः शास्त्रविस्तरैः ।
या स्वयम् पद्मनाभस्य मुखपद्माद् विनिःसृता ॥

गीता सुगीता करण्याजोगी आहे म्हणजेच गीता उत्तम प्रकारे वाचून तिचा अर्थ आणि भाव अन्तःकरणात साठवणे हे कर्तव्य आहे . स्वतः पद्मनाभ भगवान् श्रीविष्णूंच्या मुखकमलातून गीता प्रगट झाली आहे . मग इतर शास्त्रांच्या फाफटपसाऱ्याची जरूरच काय ?

- श्री महर्षी व्यास

विनोबांची गीताई :-

गीताई माउली माझी तिचा मी बाळ नेणता ।
पडतां रडतां घेई उचलूनि कडेवरी ॥